एक नजर में

ग्वालियर क्षेत्र में मेगा एमएसएमई ऋण संपर्क कार्यक्रम

ग्वालियर 8 अगस्त. सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर द्वारा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, ग्वालियर में एक भव्य मेगा एमएसएमई ऋण संपर्क कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय कार्यालय से उप महाप्रबंधक श्री संदीप कर्र जी, क्षेत्रीय कार्यालय से आदरणीय क्षेत्रीय प्रमुख महोदय श्री धर्मेंद्र कुमार जी तथा सहायक महाप्रबंधक, मुरैना श्री रोशन कुमार जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उद्योग जगत के उद्यमियों एवं बैंक के सम्मानित ग्राहकों का पुष्पगुच्छ एवं ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान कर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर बैंक द्वारा एमएसएमई क्षेत्र के लिए संचालित विभिन्न ऋण योजनाओं, जैसे सेन्ट बिजनेस, सेन्ट जीएसटी, सेन्ट मोर्टगेज बिजनेस, सेन्ट डबल्यूएचआर, सेन्ट शॉप, सेन्ट होटल, सेन्ट इलेक्ट्रिकल्स आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा उद्यमियों को उपलब्ध विभिन्न वित्तीय सुविधाओं एवं ऋण विकल्पों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान पात्र ग्राहकों को ऋण स्वीकृति पत्र के साथ वितरित ऋण के चेक भी प्रदान किए गए। यह कार्यक्रम एमएसएमई क्षेत्र के प्रति सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। साथ ही, यह औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने, वित्तीय समावेशन को सुदृढ़ करने तथा राष्ट्र निर्माण में बैंक की सक्रिय एवं महत्वपूर्ण भूमिका का एक उल्लेखनीय उदाहरण रहा।

सुंदरकांड, हवन एवं भंडारे के साथ विक्रांत विवि के 'दीक्षारंभ- का समापन

ग्वालियर 8 अगस्त. विक्रांत विश्वविद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन एवं इंडक्शन कार्यक्रम 'दीक्षारंभ-2026' का शनिवार को सुंदरकांड पाठ, हवन एवं भंडारे के साथ समापन हुआ। धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राकेश सिंह राठौर, सम-कुलाधिपति विक्रांत सिंह राठौर तथा कोषाध्यक्ष श्रीमती गुंजन राठौर ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर किया। इसके पश्चात सुंदरकांड पाठ, आरती एवं हवन का आयोजन हुआ. समापन समारोह में विश्वविद्यालय की संरक्षक श्रीमती मीना राठौर, कोषाध्यक्ष श्रीमती गुंजन राठौर, कुलपति प्रो. अतुल कुमार, रजिस्ट्रार डॉ. ऋचा वर्मा, डीन एकेडमिक्स डॉ. आनंद बिसेन, कार्यक्रम समन्वयक प्रो. उपेंद्र तोमर, डॉ. वीर नारायण उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल के आपातकाल योद्धाओं को सम्मान राशि एवं सुविधाएं देने पर संगठन ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

ग्वालियर 8 अगस्त .पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आपातकाल-1975 के दौरान लोकतंत्र एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए जेलों और पुलिस थानों में निरुद्ध रहे लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में वेस्ट बंगाल फाइटर्स ऑफ डेमोक्रेसी होनर स्कैम 2026' लागू किए जाने पर लोकतंत्र सेनानी संघ ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया है। लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष,पूर्व सांसद कैलाश सोनी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संतोष शर्मा तथा राष्ट्रीय सचिव मदन बाथम ने संयुक्त रूप से कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार का यह निर्णय आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों के त्याग और बलिदान का सम्मान है। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संतोष शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा की गई यह पहल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायी है तथा इससे आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों के प्रति समाज और सरकार की कृतज्ञता प्रकट होती है। राष्ट्रीय सचिव मदन बाथम ने कहा कि 'लोकतंत्र सेनानी संघ लंबे समय से आपातकाल-1975 के लोकतंत्र सेनानियों को उचित सम्मान और सुविधाएं दिलाने के लिए प्रयासरत है। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा जारी यह योजना हमारे साथियों के संघर्ष और त्याग की सरकारी मान्यता है। इसके लिए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का विशेष आभार।'

10 दिन तक जीबीएस का इलाज चलता रहा, लेकिन बीमारी कुछ और निकली डॉ. अभास कुमार की सूझबूझ से 3 दिन में पैरों पर चलकर घर लौटा युवक

ग्वालियर। कई बार मरीज की बीमारी से अधिक महत्वपूर्ण उसकी दवाओं का इतिहास होता है। दतिया जिले के डबरा निवासी 28 वर्षीय युवक का मामला इसका जीवंत उदाहरण है। युवक को पहले एक निजी अस्पताल में गिलियन-बैरे सिंड्रोम समझकर लगभग 10 दिनों तक उपचार दिया गया, यहां तक कि उसे आईवीआईजी जैसी विशेष और महंगी थेरेपी भी दी गई, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। आखिरकार बेहतर न्यूरोलॉजिकल उपचार के लिए उसे आरजेएन अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल लाया गया। अस्पताल पहुंचते ही वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. अभास कुमार ने मरीज का गहन परीक्षण किया। जांच के दौरान उन्हें महसूस हुआ कि मरीज में कमजोरी नहीं बल्कि दवाओं के दुष्प्रभाव से उत्पन्न पार्किसोनियन सिंड्रोम के लक्षण हैं। इसके बाद डॉ. अभास कुमार ने मरीज की पूरी उपचार प्रक्रिया और दवा इतिहास की विस्तार से समीक्षा की। जांच में पता चला कि मरीज पहले से एंटीसाइकोटिक दवाएं ले रहा था। इन्हीं दवाओं के कारण उसके पूरे शरीर में अत्यधिक जकड़न, हाथ-पैरों की गति रुकना और चलने-फिरने में परेशानी शुरू हुई थी। इन लक्षणों को कमजोरी मानकर GBS समझ लिया गया और उसी दिशा में उपचार चलता रहा। इस अवसर पर डॉ. अभास कुमार ने कहा, 'हर मरीज का विस्तृत दवा इतिहास और बीमारी का पूरा विवरण जानना उतना ही जरूरी है जितना उसकी जांच करना। कई बार दवाओं के दुष्प्रभाव गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी जैसे दिखाई देते हैं। यदि चिकित्सक इतिहास पर ध्यान दें तो गलत निदान और अनावश्यक उपचार से बचा जा सकता है। सही समय पर सही पहचान मरीज की जिंदगी बदल सकती है।'

छेड़छाड़ से परेशान नाबालिग ने पिया तेजाब

ग्वालियर। बिजौली थाना क्षेत्र के ग्राम चक केशवपुर में दो मनचलों की प्रताड़ना से परेशान होकर एक 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा ने एसिड पी लिया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। बताया गया है कि गांव के ही रहने वाले निरबोध कुशवाहा और कोमेश कुशवाहा छात्रा को पिछले कुछ समय से परेशान कर रहे थे। आरोप है कि उन्होंने छात्रा के अश्लील फोटो-वीडियो बना लिए थे और वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहे थे। सोमवार 1 अगस्त की सुबह करीब 10:30 बजे जब छात्रा पढ़ने जा रही थी, तभी रास्ते में दोनों आरोपियों ने उसे रोक लिया और जबरन पकड़ लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने फोटो वायरल करने और जान से मारने की धमकी दी। घर पहुंचने के बाद छात्रा मानसिक तनाव में आ गई और बदनामी के डर से घर में रखा टॉयलेट क्लीनर पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर दोनों आरोपियों कोमेश और निरबोध को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

जंगली पौधों में गुम हुआ 'ग्वालियर' का सेल्फी प्वाइंट

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर 8 अगस्त. महल रोड स्थित ऐतिहासिक कटोरा ताल के सामने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत विकसित की गई चौपाटी शहरवासियों और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी थी। यहां

कटोरा ताल चौपाटी पर स्मार्ट सिटी के लाखों-करोड़ों के काम पर निगम की अनदेखी भारी, फाउंटेन महीनों से बंद

आने वाले लोग फास्ट फूड का आनंद लेने के साथ ग्वालियर नाम से बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पर फोटो और सेल्फी खिंचवाते थे।

लेकिन नगर निगम की अनदेखी के चलते अब यही सेल्फी प्वाइंट अव्यवस्थाओं से घिर गया है। ग्वालियर नाम के सामने छोटे-छोटे जंगली पौधे और घास उग आने से पूरा सेल्फी प्वाइंट काफी हद तक ढक गया है। इसके चलते यहां पहुंचने वाले लोगों को फोटो और सेल्फी लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जंगली पौधों की कटाई तक नहीं करा पा रहा निगम

कटोरा ताल चौपाटी पर बने इस आकर्षक सेल्फी प्वाइंट को शहर की पहचान और पर्यटकों के लिए आकर्षण के रूप में विकसित किया गया था। यहां शाम के समय बड़ी संख्या में शहरवासी पहुंचते हैं। चौपाटी पर खाने-पीने के साथ लोग ग्वालियर नाम के साथ फोटो खिंचवाकर यादें संजोते थे। मगर वर्तमान में सेल्फी प्वाइंट के सामने उगे जंगली पौधों ने इसकी खूबसूरती बिगाड़ दी है। हैरानी की बात यह है कि निगम के जिम्मेदार अधिकारी यहां उगे इन पौधों और घास की नियमित सफाई तक नहीं करा पा रहे हैं।

लाइट और मार्बल का काम भी हुआ खराब

सेल्फी प्वाइंट को आकर्षक बनाने के लिए नगर निगम की ओर से यहां लाइटिंग और मार्बल का काम भी कराया गया था। शुरुआत में यह स्थान रात के समय रोशनी से जगमगाता था। लेकिन देखरेख के अभाव में लाइटिंग व्यवस्था खराब हो चुकी है। मार्बल का काम भी अब अपनी चमक खो चुका है और कई हिस्सों में इसका रखरखाव नजर नहीं आ रहा। जब लाखों-करोड़ों रुपए खर्च कर शहर में इस तरह के सौंदर्यीकरण के कार्य कराए जाते हैं तो उनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। केवल निर्माण करा देने के बाद उसे छोड़ देने से सुविधाएं कुछ ही समय में बदहाल हो जाती हैं। कटोरा ताल चौपाटी परिसर में लगाया गया फाउंटेन भी पिछले कई महीनों से बंद पड़ा है। फाउंटेन के बंद रहने से चौपाटी की खूबसूरती और आकर्षण दोनों प्रभावित हो रहे हैं। शाम के समय यहां आने वाले लोगों को अब वह नजारा देखने को नहीं मिलता, जिसके लिए इस स्थान को विकसित किया गया था।

करोड़ों खर्च, फिर भी रखरखाव का अभाव

कटोरा ताल क्षेत्र को स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत विकसित करने के लिए करोड़ों रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए और विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराए गए। उद्देश्य था कि यह स्थान शहरवासियों के साथ-साथ बाहर से आने वाले पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बने। लेकिन निर्माण के बाद नियमित रखरखाव नहीं होने से अब व्यवस्थाएं धीरे-धीरे बदहाल होती जा रही हैं। एक ओर शहर को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने और स्मार्ट सिटी के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तैयार की गई सुविधाओं के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा।

लिफ्ट के बहाने युवती से गैंगरेप, बेला की बावड़ी पर मिली पीड़िता

ग्वालियर 8 अगस्त. विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के अलकापुरी चौराहे पर मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे एक 19 वर्षीय युवती के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है।

जानकारी के अनुसार महलगांव निवासी पीड़िता बाड़े पर जाने के लिए निकली थी। अलकापुरी चौराहे पर पड़ोस में रहने वाले छोटू खान ने उसे ऑटो में बैठने के लिए कहा। मना करने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान ऑटो की पिछली सीट पर बैठे नरेश कुशवाहा ने उसे पकड़ लिया।

पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसे जबरन पानी पिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई। आरोप है कि उसके बाद आरोपियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। होश आने पर वह खुद को बेला की बावड़ी इलाके में निर्वस्त्र हालत में मिली। पीड़िता किसी तरह गिरवाई थाने पहुंची। वहां महिला अधिकारी न होने पर उसे माधौगंज भेजा गया, जहां जीरो पर मामला दर्ज हुआ। बाद में घटना स्थल विश्वविद्यालय थाना और फिर पनिहार थाना क्षेत्र का होने पर मामला पनिहार थाने में दर्ज किया गया है।

बारिश थमने से सावन मेले में फिर लौटी रौनक

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 8 अगस्त. श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेला प्राधिकरण में आयोजित सावन मेले का शुभारंभ 1 अगस्त हो गया था जो की 31 अगस्त तक शाम 5 से रात 11 बजे तक लगा है। मेले में हर आयु वर्ग के लोगों के लिए आकर्षक झूले, मनोरंजन के साधन, स्वादिष्ट व्यंजनों के फूड स्टॉल तथा खरीददारी के लिये विभिन्न प्रकार की दुकानें लगाई गई हैं। इसके साथ ही मेले में इस बार रील्स और फोटो के शौक़ीन लोगो के लिए वॉटरफॉल और सेल्फी पॉइंट विशेष आकर्षण का केंद्र है। मेले में शहरवासियों के मनोरंजन के लिए कई सारी चीज़े उपलब्ध होने बाद भी बारिश के कारण मेले की रफ़्तार थोड़ी थम गई थी। दरअसल बीते कुछ दिनों से शहर में हो रही बारिश के कारण सावन मेले में सैलानियों के न पहुंचने से मेला व्यापारी काफी चिंतित थे। व्यापारियों का कहना है की पूरी तरह तैयार होने के बाद भी बारिश के कारण मेला सुचारू रूप से संचालित नहीं हो पा रहा था और मेले पहुंचने वाले सैलानियों की मात्रा में भी कमी आई जिससे व्यापारियों को नुक्सान झेलना पड़ा। ऐसे में व्यापारियों को बारिश थमने और मौसम सही होने का बेसब्री से इंतज़ार था। शनिवार को मौसम में सुधार के पश्चात् मेले में दोबारा रौनक देखने को मिली और शहरवासी एक बार फिर मेले का लुत्फ़ उठाते हुए नज़र आए जिससे व्यापारी काफी खुश है।

उपनगर ग्वालियर में कोटेश्वर से हजीरा तक होने वाली तोड़फोड़ को लेकर व्यापारी हुये लाभबंद

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 8 अगस्त. उपनगर ग्वालियर में कोटेश्वर से हजीरा तक सडक चौडीकरण के नाम पर आगामी सितम्बर, अक्टूबर माह में तोडफोड की योजना जिला

कैट के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने व्यापारियों के मुआवजे की मांगी की

प्रशासन द्वारा बनाई जा रही है। व्यापारियों को नोटिस जारी किये गयेहैं उन नोटिसों को लेकर पूरे बाजार में भय औश्र आतंक का माहौल है। नोटिसों के विरोध में उपनगर ग्वालियर के व्यापारी एकजुट होकर संघर्ष के लिये कमर कस रहे हैं।

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन की अगुवाई में व्यापारियों ने बैठक की और उपनगर ग्वालियर में अगर प्रशासन द्वारा स्वामित्व के स्थान को तोडफोड में लिया जाता है अथवा जिन दुकानदारों के मालिकाने स्थान को सडक चौडीकरण के नाम पर अधिग्रहित किया जाता है तो उन व्यापारी एवं दुकानदारों को समुचित मुआवजा जिला प्रशासन एवं नगर निगम प्रशासन दे इस माग को लेकर व्यापारियों ने शीघ्र ही जिला कलेक्टर से मिलने का निर्णय किया। बैठक में कैट प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, जिला अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, महामंत्री रामकुमार गोयल, सह-महामंत्री डॉ.सौरभ खण्डेलवाल, कोषाध्यक्ष नितिन गोयल, सोसल मीडिया प्रभारी रौनक जैन, उपनगर के संयोजक अशोक अग्रवाल, राजेन्द्र जैन, आशीष जैन मोनू, हरिशचंद जैन, सचिन भाटिया, रश्मि अग्रवाल, मनीष गोयल, चन्द्रप्रकाश अग्रवाल, लक्ष्मीनारायन अग्रवाल, रितिक गुप्ता, प्रतीक गोयल, किशोर जैन,अक्षत गोयल, नेमीचंद जैन आदि उपस्थित थे। मध्यप्रदेश के ऊर्जामंत्री माननीय प्रधुमनसिंह तोमर के स्वस्थ होने पर कैट का प्रतिनिधि मण्डल उनसे भेंट करेगा और किलागेट पर शीघ्र ही व्यापारियों की चौपाल आयोजित की जायेगी।

जन उत्थान न्यास 6 सितंबर को करेगा 3100 शिक्षक/शिक्षिकाओं का सम्मान

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 8 अगस्त. सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास के तत्वाधान् में शिक्षक/शिक्षिकाओं का सम्मान समारोह आगामी 6 सितम्बर को मेला परिसर स्थित संस्कृति बैंक्वेट हॉल में सायं 4 बजे आयोजित किया जायेगा। सम्मान समारोह कार्यक्रम की तैयारिओं को लेकर आज न्यास के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में न्यास पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन जी.वाय.एम.सी गार्डन में किया गया। बैठक का संचालन एम.आई.सी प्रभारी एवं पार्षद अवधेश कौरव ने किया।

बैठक में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि इस सम्मान समारोह में करीब 3100 शिक्षक/शिक्षिकाओं का सम्मान किया जायेगा। फार्मो का वितरण 10 अगस्त से ललितपुर कॉलोनी स्थित कार्यालय से सुबह 10 से सायं 6 बजे तक होगा। फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त तय की गई है।

बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी उत्तम सिंह कुशवाह, कांग्रेस प्रदेश महासचिव दुष्यंत साहनी, कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, दाल बाजार व्यापार समिति अध्यक्ष दिलीप पंजवानी आदि मौजूद थे.

जिला अस्पताल के मेन गेट पर लटका ताला एक गेट से हो रही आवाजाही

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 8 अगस्त. जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं को सुधारने के नाम पर मरीजों की परेशानी बढ़ाने वाला फैसला

सिविल सर्जन बोलीं नई व्यवस्था से मिलेगा मरीजों को फायदा

लिया गया है। अस्पताल प्रबंधन ने मुख्य चैनल गेट पर ताला जड़ दिया है। अब ओपीडी और अस्पताल में आने-जाने के लिए सिर्फ कैजुअल्टी की तरफ वाला एक ही गेट खुला रखा गया है।

एक ही गेट से आने-जाने के कारण मरीजों और उनके अटेंडरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीड़ बढ़ने पर अस्पताल के बाहर इंतजार करने की नौबत आ रही है। वहीं स्ट्रेचर पर लाए जा रहे गंभीर मरीजों को भी इस नई व्यवस्था से काफी दिक्कत हो रही है।

तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि मुख्य गेट पर ताला लगने के बाद मरीज और उनके परिजन गेट के बाहर बैठने को मजबूर हैं। कई मरीजों को तो यह पता ही नहीं चला कि रास्ता बंद कर दिया गया है।

वे इस उम्मीद में वहीं बैठे रहे कि ताला खुलेगा तो अंदर जाएंगे। बाद में पता चला कि दूसरा रास्ता बंद है और कैजुअल्टी वाले रास्ते से जाना है।

अस्पताल प्रबंधन ने यह बताया कारण

इस मामले में सिविल सर्जन डॉ. सीमा जायसवाल का कहना है कि जो व्यवस्था पहले थी, उसे ही फिर से लागू किया गया है। मेन गेट पर ताला लगवाकर दूसरे रास्ते से अस्पताल के अंदर आवाजाही प्रारंभ करवाई गई है। उनका कहना है कि जिस गेट से अब अंदर जाने की व्यवस्था की गई है, उसके ठीक सामने हेल्प डेस्क बनाई गई है और वहां कर्मचारी तैनात किए गए हैं। अस्पताल में प्रवेश करते ही मरीज व उनके अटेंडरों को हेल्प डेस्क नजर आएगी जिससे वह पूछताछ कर सकेंगे। सिविल सर्जन ने कहा कि जो नई व्यवस्था बनाई गई है उसका फायदा मरीजों को ही मिलेगा, बस देखते जाइए।

विश्व आदिवासी दिवस पर विचार गोष्ठी आज

ग्वालियर। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ (अजाक्स) की जिला एवं संभाग इकाई के तत्वावधान में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज रविवार को विचार गोष्ठी एवं आदिवासी सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 3 बजे 27-ए अजाक्स कार्यालय, मेला ग्राउंड के सामने आयोजित होगा। कार्यक्रम में जल, जंगल और जमीन तथा प्रकृति के संरक्षण में आदिवासी समाज की भूमिका विषय पर विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही समाज के प्रतिभावान एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में अजाक्स भोपाल के संरक्षक जेएन कंसोटिया, प्रांतीय अध्यक्ष संतोष वर्मा और कार्यवाहक अध्यक्ष इंजी. एसएल सूर्यवंशी सहित संगठन के पदाधिकारी शामिल होंगे।